श्रेष्ठ सुप्रभात

दूसरों को उपदेश देने से पहले आत्ममंथन करें कि आप उसका अपने जीवन में कितना पालन करते हैं।

-आचार्य महाश्रमण

NEXT™

NEWS EXCELLENT TODAY

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम
श्रीडूंगरगढ़	20.0	7.0
बीकानेर	21.0	7.0
जयपुर	20.0	7.0

E- Paper NEXT 0037

newsexcellenttoday.com | 17 जनवरी 2025, शुक्रवार | माघ, कृष्ण पक्ष चतुर्थी - 2081

सरपंचों के कार्यकाल के बाद सरकार का बड़ा फैसला

प्रशासक बने रहेंगे सरपंच

NEXT | जयपुर/श्रीडूंगरगढ़

राज्य सरकार ने सरपंचों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद पंचायतों के संचालन के लिए बड़ा फैसला लिया है। शासन सचिव एवं आयुक्त ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग जोगाराम द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, जिन ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 31 जनवरी 2025 तक समाप्त हो रहा है और चुनाव नहीं हो पा रहे हैं, वहां प्रशासकीय समिति का गठन किया जाएगा।

इस समिति में निवर्तमान सरपंच को प्रशासक बनाया जाएगा, जबकि उपसरपंच और वार्ड पंचों को समिति का सदस्य नियुक्त किया जाएगा। प्रशासक सभी निर्णय समिति की बैठक में परामर्श के बाद ही ले सकेगा।

सरकार के इस फैसले से सरपंचों का कार्यकाल अप्रत्यक्ष रूप से आगामी चुनावों तक बढ़ा दिया गया है।

सरपंच संघ लंबे समय से इस फैसले की मांग कर रहा था। जयपुर में आदेश की प्रतीक्षा कर रहे सरपंचों को अब राहत मिली है। आदेश में सभी जिला कलेक्टरों को अपने-अपने जिले में इन समितियों का गठन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

आज ही NEXT की साइट का विजिट करें और जुड़ें रहिए NEXT से...

सरपंचों को प्रशासक बनाकर सरकार ने संतुलन साधा

सियासी चुनौतियां बरकरार, समय सीमा तय नहीं

NEXT | जयपुर/श्रीडूंगरगढ़

सरकार ने पंचायती राज व्यवस्था में सुधार के तहत मौजूदा सरपंचों को ही ग्राम पंचायतों का प्रशासक नियुक्त कर एक बड़ा कदम उठाया है। इससे पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कामकाज की निरंतरता तो सुनिश्चित हुई है, लेकिन राजनीतिक चुनौतियां अभी भी जस की तस बनी हुई हैं।

सरपंचों का कार्यकाल बढ़ाने पर असंतोष

पंचायतों में मौजूदा सरपंचों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। ऐसे में उन्हें प्रशासक बनाकर उनके कार्यकाल को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ाने का यह निर्णय विरोधी गुटों के लिए असंतोष का कारण बन सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हर पंचायत में दो से तीन राजनीतिक गुट सक्रिय होते हैं। ऐसे में सरपंच-विरोधी खेमा इस फैसले को लेकर नाराज हो सकता है।

जनवरी में 6,759 पंचायतों का कार्यकाल खत्म हो रहा है। मार्च में 704 पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होगा। सितंबर-अक्टूबर तक 3,847 पंचायतों का कार्यकाल पूरा हो जाएगा।

प्रशासक नियुक्ति की समय सीमा तय नहीं

सरपंचों को प्रशासक बनाए रखने की अवधि को लेकर कोई स्पष्ट समय सीमा तय नहीं की गई है। जब तक पंचायत चुनाव की घोषणा नहीं होती, तब तक सरपंच प्रशासक के रूप में काम करते रहेंगे।

"वन स्टेट वन इलेक्शन" की तैयारी में चुनाव टाले गए

राज्य में "वन स्टेट वन इलेक्शन" नीति के तहत सभी पंचायतों के चुनाव एक साथ कराने की योजना है। प्रदेश में 11,000 से अधिक पंचायतें हैं, जिनका कार्यकाल अलग-अलग समय पर समाप्त हो रहा है। इन सभी चुनावों को एक साथ कराने के लिए सरकार ने चुनाव टालकर प्रशासक नियुक्त करने का फैसला लिया है।

नया मॉडल अपनाया गया

अब तक ग्राम सचिवों को प्रशासक नियुक्त किया जाता था, लेकिन इस बार मौजूदा सरपंचों को यह जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही एक प्रशासनिक समिति बनाई गई है, जिसमें उपसरपंच और वार्ड पंच भी शामिल होंगे। इस मॉडल का उद्देश्य स्थानीय नाराजगी को कम करना और प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखना है।

चुनौतियां बरकरार

सरकार ने प्रशासकों की नियुक्ति से तात्कालिक समाधान तो निकाला है, लेकिन सरपंच-विरोधी गुटों और गांव की राजनीतिक गुटबाजी को देखते हुए यह साफ है कि सियासी चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं।

श्रीडूंगरगढ़ के सेवादारों ने अनाथ मृतक का किया ससम्मान अंतिम संस्कार

NEXT | श्रीडूंगरगढ़

श्रीडूंगरगढ़ के शिव मानव कल्याण वृद्धाश्रम व अनाथ आश्रम में रह रहे एक व्यक्ति का रविवार को देहावसान हो गया। जिसका गुरुवार को सेवादारों द्वारा ससम्मान अंतिम संस्कार सनातन मोक्षधाम में किया गया।

सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र प्रसाद स्वामी ने बताया कि सरकारी नियमों के अंतर्गत 72 घण्टों तक मृतक के परिजनों का इंतजार और संपर्क का प्रयास किया गया। गुरुवार शाम को जैन समाज के युवा कार्यकर्ता सुमित पारख द्वारा अंतिम संस्कार की

सामग्री सहयोग स्वरूप प्रदान की गई और मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान अशोक झाबक, ओमप्रकाश, जावेद बहलिम, आमिर खोखर, नरपत सिंह, कन्हैयालाल, प्रवीण स्वामी आदि मौजूद रहे।

सुबह 8:30 बजे आया घना कोहरा, 10 मीटर तक सीमित हुई दृश्यता

NEXT | श्रीडूंगरगढ़

श्रीडूंगरगढ़ कस्बे में सुबह 8 बजे तक मौसम साफ रहा परन्तु सुबह 8:30बजे के बाद अनायास ही घने कोहरे ने कस्बे को अपनी आगोश में ले लिया।

कोहरे के कारण दृश्यता 10मीटर तक सीमित हो गई।

पंचायत समिति में हुए तबादले

NEXT | श्रीडूंगरगढ़

तबादलों की इस उठापटक में निदेशालय कोष एवं लेखा विभाग के निदेशक भूपेश माथुर द्वारा उपकोषाधिकारी और सहायक लेखाधिकारी का भी परस्पर तबादला किया गया है। अरविंद कुमार गर्ग जो वर्तमान में कार्यालय विकास अधिकारी, पंचायत समिति श्रीडूंगरगढ़ में सहायक लेखाधिकारी पद पर सेवाएं दे रहे थे, उनको उपकोषाधिकारी (ATO) बनाया गया है। और संदीप पांडिया जो वर्तमान में ATO है, उन्हें पंचायत समिति श्रीडूंगरगढ़ में सहायक लेखाधिकारी-। के पद पर भेजा गया है।

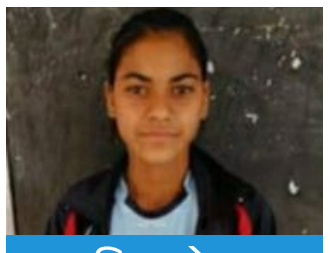

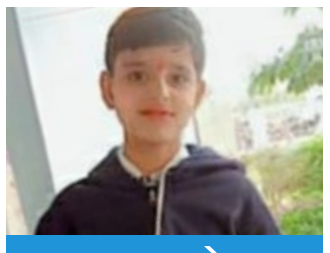

इसके साथ ही श्रीडूंगरगढ़ में पूर्व में भी अपनी सेवाएं दे चुके रमन बागड़ को पंचायत समिति श्रीडूंगरगढ़ में सहायक अभियंता पद के लिए भेजा गया है। और भवानी सिंह को जिला परिषद चुरू भेजा गया है।

व्यापार मण्डल ने ट्रॉमा सेंटर निर्माण के लिए मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, जताया रोष

NEXT | श्रीडूंगरगढ़

श्रीडूंगरगढ़ में अधरझूल में लटके ट्रॉमा सेंटर को शीघ्र बनवाने की मांग को लेकर व्यापार मण्डल श्रीडूंगरगढ़ द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम उमा मित्तल को ज्ञापन सौंपा गया और रोष जाहिर किया गया।

व्यापार मण्डल अध्यक्ष श्याम सुंदर पारीक, महामंत्री संजय करनाणी, उपाध्यक्ष सुशील डागा, कोषाध्यक्ष चैनरूप दुगड़, कन्हैयालाल सोमाणी, पवन राठी, गोपाल तापड़िया, जगदीश शर्मा, संपत पारीक, आमीन अली, उमाशंकर पारीक, मानमल शर्मा, राधे सोमाणी, रामचन्द्र मोदी, शशि पाण्डिया सहित अनेकों व्यापारियों द्वारा गुरूवार दोपहर ट्रॉमा सेंटर निर्माण को लेकर रोष जाहिर करते हुए नारेबाजी की गई।

ट्रॉमा सेंटर निर्माण को लेकर व्यापारियों ने लगाए नारे

इस खबर का वीडियो देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

व्यापार मण्डल अध्यक्ष श्याम सुंदर पारीक ने कहा कि चिकित्सा विभाग के नॉर्म्स के अनुसार दानदाता परिवार से जो एमओयू हुआ है, उसके अनुसार अतिशीघ्र ट्रॉमा सेंटर व उपजिला अस्पताल बनवाया जाए। अगर दानदाता परिवार असमर्थता व्यक्त करता है तो राजकोष से यह कार्य जल्दी शुरू करवाया जाए।

एसडीएम मित्तल ने व्यापारियों की मांग को ऊपर तक पहुंचाने के साथ सकारात्मक कार्यवाही करने की बात कही।

खो-खो के नेशनल खिलाड़ियों का ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

NEXT | श्रीडूंगरगढ़

श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र की बेटियां राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र और राजस्थान को गौरवान्वित कर रही हैं। गुसाईंसर बड़ा के आदर्श स्कूल की छात्राओं कविता गोदारा और रामकन्या गोदारा ने अपने खेल कौशल से न केवल अपने गांव लोढ़ेरा का, बल्कि बीकानेर और पूरे राजस्थान का नाम रोशन किया है।

स्कूल के प्रिंसिपल दिनेश गोदारा ने बताया कि दोनों बालिकाओं ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर में आयोजित राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में भाग लिया। कविता गोदारा ने राजस्थान की 14 वर्षीय छात्रा वर्ग की टीम का नेतृत्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नेशनल प्रतियोगिता से लौटने

कविता गोदारा

रामकन्या गोदारा

पर बुधवार को गुसाईंसर में ग्रामीणों और स्कूल प्रबंधन द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कविता के पिता गणेश कुमार गोदारा, रामकन्या के पिता तोलाराम गोदारा, स्कूल संचालक मूलचंद गोदारा और शारीरिक शिक्षक गोवर्धन खिलेरी उपस्थित रहे।

दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर है, और इन बालिकाओं ने यह साबित किया है कि मेहनत और लगन से हर सपना साकार किया जा सकता है।

तबादलों के दौर में भू अभिलेख निरीक्षक और पटवारियों का हुआ स्थानान्तरण

NEXT | श्रीडूंगरगढ़

जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने एक आदेश जारी करते हुए 54 पटवारियों और 13 भू अभिलेख निरीक्षकों का स्थानांतरण किया है।

इनमें श्रीडूंगरगढ़ तहसील से लखासर पटवारी सुमन कुमारी को जसरासर तहसील के बिलनियासर भेजा गया है। और नोखा तहसील के मैनसर पटवारी मनीष को ऊपनी लगाया गया है।

इसके साथ ही गुसाईंसर के भू अभिलेख निरीक्षक दुर्गानाथ सिद्ध को बीकानेर के केसरदेसर जाटान भेजा गया है।

और देशनोक के अति.आ. कानूनगो राजवीर सिंह राठौड़ को बाडेला लगाया गया है।

श्रीडूंगरगढ़ जलदाय विभाग के जेईएन का हुआ तबादला

डेढ़ साल से खाली एईएन के आने की संभावना

NEXT | श्रीडूंगरगढ़

जलदाय विभाग द्वारा 279 कनिष्ठ अभियंताओं का तबादला/पदस्थापन किया गया है। इसी कड़ी में श्रीडूंगरगढ़ सिटी जेईएन बजरंग परिहार का तबादला कोलायत (झुंझु) किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीडूंगरगढ़ एईएन की पोस्ट पिछले डेढ़ साल से खाली पड़ी है और सेरूणा जेईएन की पोस्ट भी लगभग डेढ़ साल से खाली पड़ी है। अब सिटी जेईएन पड़िहार के तबादले से सिटी जेईएन की पोस्ट भी खाली हो जाएगी।